अध्याय - 02

प्रवास: प्रकार, कारण और परिणाम

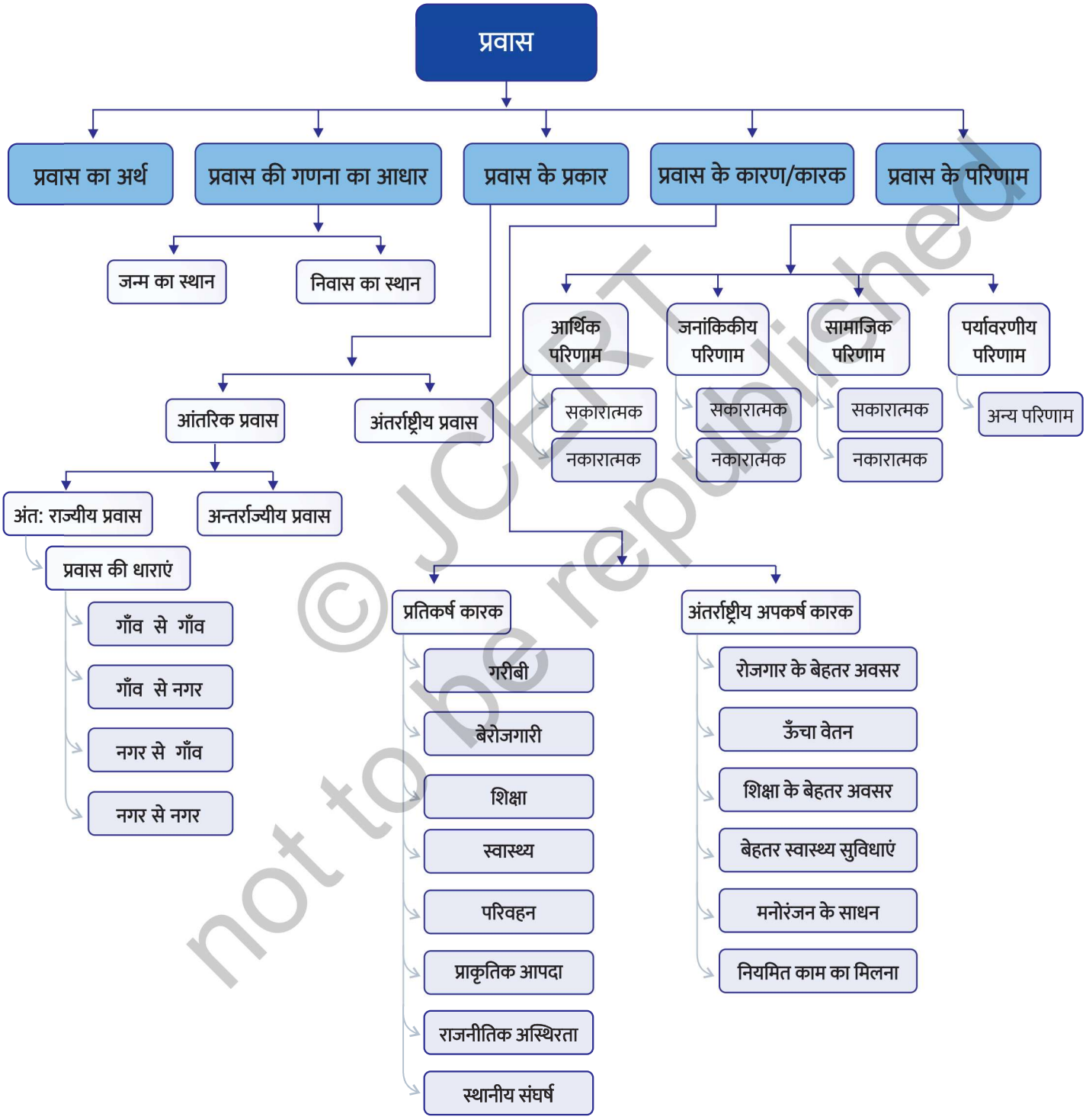

© JCERT not to be republished

प्रवास : प्रकार, कारण और परिणाम

प्रवास का अर्थ

मानव समुदाय के किसी एक स्थान से दूसरे स्थान पर जाकर बसने को प्रवास कहते हैं।

प्रवास की गणना का आधार

जन्म का स्थान

यदि जन्म का स्थान गणना स्थान से भिन्न है, इसे जीवन पर्यंत प्रवासी के रूप में जाना जाता है।

निवास का स्थान

यदि निवास का पिछला स्थान गणना के स्थान से भिन्न है, इसे निवास के पिछले स्थान से प्रवासी के रूप में जाना जाता है।

प्रवास के प्रकार

आंतरिक प्रवास

देश के भीतर किसी भी स्थान पर जाकर घूमना एवं बसना आंतरिक प्रवास कहलाता है।

अंत: राज्यीय प्रवास

एक ही राज्य की सीमाओं के भीतर आवागमन करना अंत: राज्यीय प्रवास कहलाता है।

अंतर-राज्यीय प्रवास

अपने ही देश की सीमाओं के भीतर एक राज्य से दूसरे राज्य में आवागमन करना अंतर-राज्यीय प्रवास कहलाता है।

अंतर्राष्ट्रीय प्रवास

एक ऐसा व्यक्ति या व्यक्तियों का समूह जो अपने राज्य और देश की सीमाओं को छोड़कर किसी दूसरे देश में चले जाते हैं, अंतर्राष्ट्रीय प्रवास कहलाता है।

प्रवास की धाराएँ

- गाँव से गाँव की ओर
- गाँव से नगर की ओर
- नगर से गाँव की ओर
- नगर से नगर की ओर

प्रवास के कारक / कारण

प्रतिकर्ष कारक

गरीबी, बेरोजगारी, भुखमरी और असंरचनात्मक सुविधाएँ (शिक्षा, स्वास्थ्य, परिवहन, बिजली, मनोरंजन इत्यादि), प्राकृतिक आपदाओं (बाढ़, सूखा, चक्रवात, भूकंप, सुनामी इत्यादि), राजनैतिक अस्थिरता, स्थानिक संघर्ष आदि प्रतिकूल परिस्थितियाँ प्रवास के प्रतिकर्ष कारक बनते हैं।

अपकर्ष कारक

अपकर्ष कारक लोगों को गाँव से नगरों की ओर आकर्षित करते हैं, यहाँ पर रोजगार के बेहतर अवसर, नियमित काम का मिलना, ऊँचा वेतन, अच्छी शिक्षा, स्वास्थ्य, परिवहन, मनोरंजन इत्यादि सुविधाओं के उपलब्ध होने के कारण लोग दिल्ली, मुंबई, कोलकाता जैसे महानगरों में प्रवास करते हैं।

© JCERT not to be republished

प्रवास : प्रकार, कारण और परिणाम

प्रवास के परिणाम

आर्थिक परिणाम

सकारात्मक परिणाम

- उद्गम क्षेत्र प्रवासियों द्वारा भेजी गई राशि से लाभान्वित होते हैं।
- पंजाब, केरल, तमिलनाडु राज्य अपने अंतर्राष्ट्रीय प्रवासियों से आवश्यक धन प्राप्त करते हैं।
- अंतर्राष्ट्रीय प्रवासियों द्वारा भेजी गई हुंडियां विदेशी विनिमय के प्रमुख स्रोतों में से एक है।
- उद्गम क्षेत्र इन हुंडियों का प्रयोग मुख्यत: ऋणों की अदायगी, उपचार, विवाह, बच्चों की शिक्षा, कृषि में निवेश, गृह निर्माण इत्यादि कार्यों के लिए करते हैं।

नकारात्मक परिणाम

- इनके अनियंत्रित प्रवास ने देश के महानगरों को अति संकुचित कर दिया है।
- महाराष्ट्र, गुजरात, कर्नाटक, दिल्ली जैसे राज्यों में गंदी बस्तियों का विकास अनियंत्रित प्रवास का प्रमुख नकारात्मक परिणाम है।

जनांकिकीय परिणाम

सकारात्मक परिणाम

- प्रवास से देश के अंदर जनसंख्या का पुनर्वितरण होता है।
- नगरों में दक्ष, कुशल एवं अकुशल श्रमिकों का आवागमन होता है।
- नगरों के विकास में गांव से नगरों की ओर प्रवास का बहुत बड़ा योगदान होता है।

नकारात्मक परिणाम

- ग्रामीण क्षेत्रों से युवा आयु, कुशल एवं दक्ष लोगों के प्रवास से ग्रामीण क्षेत्रों के जनांकिकीय संगठन पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है।
- उत्तराखंड, राजस्थान, मध्य प्रदेश, पूर्वी महाराष्ट्र से होने वाले बाह्य प्रवास से आयु व लिंग संरचना में गंभीर असंतुलन पैदा हो गया है।
- ऐसे ही असंतुलन उन राज्यों में भी उत्पन्न हो जाते हैं।

सामाजिक परिणाम

सकारात्मक परिणाम

- प्रवासी सामाजिक परिवर्तन के अभिकर्ता के रूप में कार्य करता है।
- प्रवास द्वारा ही नवीन प्रौद्योगिकियों, परिवार नियोजन, बालिका शिक्षा इत्यादि से सम्बंधित नए विचारों का नगरों से गाँवों की ओर विसरण होता है।
- प्रवास के द्वारा विभिन्न संस्कृतियों का मिश्रण होने से लोगों का मेलजोल बढ़ता है।

नकारात्मक परिणाम

- नगरों में प्रवासी समाज से कटकर अकेला पड़ जाते हैं।
- गुमनामी के कारण लोग अकेला महसूस करने लगते हैं जिससे उनमें निराशा और हताशा की भावना पनपने लगती है।

सामाजिक परिणाम

- प्रवासी सामाजिक परिवर्तन के अभिकर्ता के रूप में कार्य करता है।
- प्रवास द्वारा ही नवीन प्रौद्योगिकियों, परिवार नियोजन, बालिका शिक्षा इत्यादि से सम्बंधित नए विचारों का नगरों से गाँवों की ओर विसरण होता है।
- प्रवास के द्वारा विभिन्न संस्कृतियों का मिश्रण होने से लोगों का मेलजोल बढ़ता है।

अन्य परिणाम

- प्रवास स्त्रियों के जीवन स्तर को प्रभावित करता है।
- पुरुषों के प्रवास के कारण पत्नियां अकेली छूट जाती है जिससे उन पर अतिरिक्त शारीरिक और मानसिक दबाव पड़ता है।
- शिक्षा और रोजगार के लिए स्त्रियों का प्रवास उन्हें आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाता है परंतु उनके शोषण के अवसर भी बढ़ जाते हैं।

© JCERT not to be republished

अभ्यास

प्रश्नावली

1.नीचे दिए गए चार विकल्पों में से सही उत्तर चुनिए।

(i) निम्नलिखित में से कौन-सा भारत में पुरुष प्रवास का मुख्य कारण है?

(क) शिक्षा (ग) काम और रोजगार

(ख) व्यवसाय (घ) विवाह

उत्तर- (ग) काम और रोजगार।

(ii) निम्नलिखित में से किस राज्य में सर्वाधिक संख्या में आप्रवासी आते हैं?

(क) उत्तर प्रदेश (ग) महाराष्ट्र

(ख) दिल्ली (घ) बिहार

उत्तर- (ग) महाराष्ट्र ।

(iii) भारत में प्रवास की निम्नलिखित धाराओं में से कौन-सी एक धारा पुरुष प्रधान है?

(क) ग्रामीण से ग्रामीण (ग) ग्रामीण से नगरीय

(ख) नगरीय से ग्रामीण (घ) नगरीय से नगरीय

उत्तर- (ग) ग्रामीण से नगरीय

(iv) निम्नलिखित में से किस नगरीय समूहन में प्रवासी जनसंख्या का अंश सर्वाधिक है?

(क) मुंबई नगरीय समूहन (ख) दिल्ली नगरीय समूहन

(ग) बेंगलुरु नगरीय समूहन (घ) चेन्नई नगरीय समूहन

उत्तर- (क) मुंबई नगरीय समूहन ।

© JCERT not to be republished

2. निम्नलिखित प्रश्नों का उत्तर लगभग 30 शब्दों में दें।

(i) जीवन पर्यंत प्रवासी और पिछले निवास के अनुसार प्रवासी में अंतर स्पष्ट कीजिए।

उत्तर– भारत की जनगणना में प्रवास की गणना दो आधारों पर की जाती है।

(a) जन्म का स्थान- यदि जन्म का स्थान गणना के स्थान से पृथक है तो इसे जीवनपर्यंत प्रवासी के नाम से जाना जाता है।

(b) निवास का स्थान- यदि निवास का पिछला स्थान गणना के स्थान से पृथक है तो इसे निवास के पिछले स्थान से प्रवासी के रूप में जाना जाता है।

(ii) पुरुष/स्त्री चयनात्मक प्रवास के मुख्य कारण की पहचान कीजिए।

उत्तर– पुरुषों और स्त्रियों के लिए प्रवास के कारण अलग-अलग हैं। उदाहरण के लिए काम और रोजगार पुरुष प्रवास के मुख्य कारण रहे हैं जबकि स्त्रियाँ विवाह के उपरांत अपने मायके से बाहर जाती हैं। भारत के ग्रामीण क्षेत्रों में यह सबसे अधिक महत्त्वपूर्ण कारण है। मेघालय इसका अपवाद है जहाँ स्थिति विपरीत है।

(iii) उद्गम और गंतव्य स्थान की आयु एवं लिंग संरचना पर ग्रामीण नगरीय प्रवास का क्या प्रभाव पड़ता है?

उत्तर– ग्रामीण-नगरीय प्रवास नगरों में जनसंख्या की वृद्धि में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले प्रमुख कारकों में से एक है। ग्रामीण क्षेत्रों में होने वाले युवा आयु, कुशल एवं दक्ष लोगों का बाह्य प्रवास ग्रामीण जनांकिकीय संघटन पर प्रतिकूल प्रभाव डालता है। उत्तराखंड, मध्य प्रदेश, राजस्थान और पूर्वी महाराष्ट्र से होने वाले बाह्य प्रवास ने इन राज्यों की आयु एवं लिंग संरचना में गंभीर असंतुलन उत्पन्न कर दिया है। ऐसे ही असंतुलन उन राज्यों में भी उत्पन्न हो गए हैं। जिनमें ये प्रवासी जाते हैं।

© JCERT not to be republished

3. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लगभग 150 शब्दों में दें।

(i) भारत में अंतर्राष्ट्रीय प्रवास के कारणों की विवेचना कीजिए ।

उत्तर– भारत में पड़ोसी देशों में आप्रवास और उन देशों की ओर भारत से उत्प्रवास भी हुआ है। नीचे दी गई तालिका पड़ोसी देशों से प्रवासियों का विवरण दर्शाती है। जनगणना 2001 में अंकित है कि भारत में अन्य देशों से 50 लाख व्यक्तियों का प्रवास हुआ है। इनमें 96 प्रतिशत पड़ोसी देशों से आए हैं; बांग्लादेश (30 लाख), इसके बाद पाकिस्तान (9 लाख) और नेपाल (5 लाख)। इनमें तिब्बत, बांग्लादेश, श्रीलंका, अफगानिस्तान, पाकिस्तान, ईरान और म्यांमार के 1.6 लाख शरणार्थी भी सम्मिलित हैं। जहाँ तक भारत से उत्प्रवास का प्रश्न है, ऐसा अनुमान है कि भारतीय डायास्पोरा के तकरीबन 2 करोड़ लोग हैं जो 110 देशों में फैले हुए हैं।

(ii) प्रवास की सामाजिक जनांकिकी परिणाम क्या क्या है?

© JCERT not to be republished